(2)

IAS PCS

सरस्वती

POL. SCIENCE

Answer Sheet

Mains Exam, Year-...............

Name. RAHUL DHOTE

Subject. P.So

Date. 12/11/2016

UPSC Roll No...

Contact No...

Hindi / English Medium

सरस्वती IAS

A-20, 102, First Floor, Indraprasth Tower (Behind Batra Cinema), Dr. Mukherjee Nagar, Delhi- 09

Ph. 011-27651250, 09899156495, 09810702119

E-mail : saraswati.ias@gmail.com, Visit us at: www.saraswatiias.com

सरस्वती

कृपया इस स्थान में कुछ न लिखें। Please do not write anything in this space.

b)

अरस्तू ने राज्य व्यवस्था की गतिशीलता को समझाने का प्रयास किया है, जहाँ वह राजतंत्र से आरंभ होकर पुनः राजतंत्र की ओर लौटने की प्रक्रिया को संवर्णित करता है। "पॉलिटिक्स" में अरस्तू ने इस पर विस्तृत चर्चा की है।

अरस्तू के अनुसार,

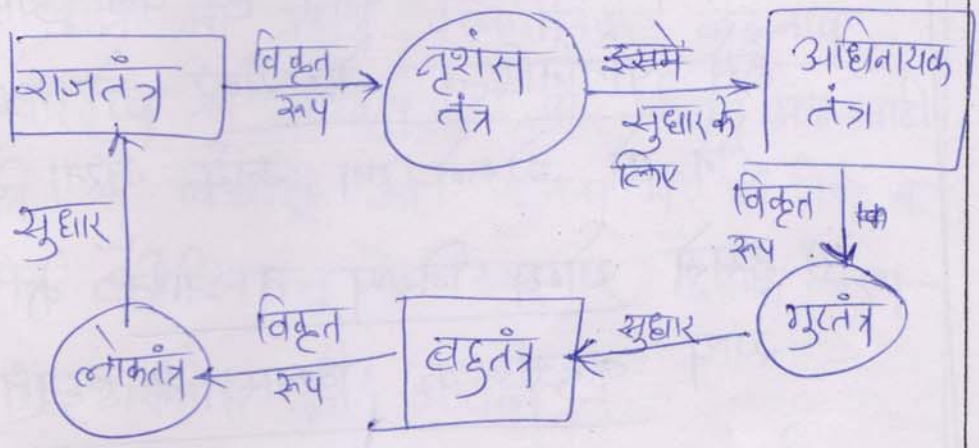

इस प्रकार संविधानों का वर्गीकरण भी उसी आधार पर इस करता है। अरस्तू के अनुसार इस चक्र से मुक्ति एवं एक स्थायी व्यवस्था के लिए एक मिश्रित संविधान

सरस्वती

A- 20, 102, Indraprasth Tower, (Behind Batra Cinema), Dr. Mukherjee Nagar, Delhi-09
Ph:- 011-27651250, 09810702119, 09899156495
E-mail- saraswati.ias@gmail.com, Visit us at: www.saraswatiias.com

सरस्वती सरस्वती

कृपया इस स्थान में कुछ न लिखें। Please do not write anything in this space.

कृपया इस स्थान में कुछ न लिखें। Please do not write anything in this space.

आवश्यक है यह "मिश्रित संविधान" अधिनायक तंत्र एवं बहुतंत्र के मिश्रण से उत्पन्न होता है, क्योंकि –

i) अरस्तू के अनुसार बहुतंत्र के शासन में कुछ लोगों ~~की के उस~~ एकाधिकार के स्थान पर सभी का दबाव व प्रभाव होता है, वहीं अभिजाततंत्र इसे प्रतिनिधित्व के संकर को उत्पन्न होने से रोकने का कार्य करता है।

ii) इससे योग्य नियम व नीति के साथ बहुसंख्यक विश्वास व बहुमत के मध्य संतुलन स्थापित होता है।

अरस्तू का "मिश्रित संविधान" वर्तमान परिदृश्य में "प्रतिनिधित्व लोकतंत्र" में अपनी छाप छोड़ता है। इसी प्रकार

सरस्वती सरस्वती

A- 20, 102, Indraprasth Tower, (Behind Batra Cinema), Dr. Mukherjee Nagar, Delhi-09
Ph:- 011-27651250, 09810702119, 09899156495
E-mail- saraswati.ias@gmail.com, Visit us at: www.saraswatiias.com

सरस्वती
कृपया इस स्थान में कुछ न लिखें। Please do not write anything in this space.

थाईलैण्ड, उत्तर कोरिया जैसे देशों में संविधान यह चक्र स्पष्टतः देखने को मिलता है।

अरस्तू ने क्रांति का समर्थन किया है। अरस्तू के अनुसार राज्य में सत्ता परिवर्तन (शांतिपूर्ण) या जन दबाव में नीति परिवर्तन क्रांति का प्रतीक है। अरस्तू वैसे यथास्थिति का प्रतिपादक है एवं क्रांति को मात्र राजनीतिक बदलाव के परिदृश्य में देखता है, जो वर्तमान मार्क्सवादी क्रांति के विचारों की तुलना में संकीर्ण व सीमित है। अरस्तू के अनुसार, इसके कारण-

i) असंतोष की भावना।
ii) राज्य द्वारा अन्याय।

इस प्रकार अरस्तू असंतोष की भावना को क्रांति का मुख्य कारण मानता है। वर्तमान में "अरब स्प्रिंग" अरस्तू के इन विचारों को आज भी प्रासंगिक बनाता है।

सरस्वती
A- 20, 102, Indraprasth Tower, (Behind Batra Cinema), Dr. Mukherjee Nagar, Delhi-09
Ph:- 011-27651250, 09810702119, 09899156495
E-mail- saraswati.ias@gmail.com, Visit us at: www.saraswatiias.com

सरस्वती सरस्वती

कृपया इस स्थान में कुछ न लिखें। Please do not write anything in this space.

कृपया इस स्थान में कुछ न लिखें। Please do not write anything in this space.

9) लॉक व हॉब्स में राज्य की प्रकृति के विचार में निम्न अंतर है –

i) हॉब्स राज्य के निर्माण के लिए प्राकृतिक शक्ति के समान वितरण से उत्पन्न भय को मुख्य कारक मानता है। वहीं लॉक व्यक्ति को स्वभावतः विवेकशील मानता है, परंतु कुछ स्वार्थी तत्वों के आलोक में एक न्यायधीश की भूमिका में राज्य के अस्तित्व को स्वीकार करता है।

ii) हॉब्स अनुबंध की मजबूती के लिए राज्य को पूर्ण संप्रभुता सौंपने का पक्षधर है। वहीं लॉक अनुबंध के लिए सीमित संप्रभुता सौंपने का ~~की~~ समर्थक है।

सरस्वती सरस्वती

A- 20, 102, Indraprasth Tower, (Behind Batra Cinema), Dr. Mukherjee Nagar, Delhi-09
Ph:- 011-27651250, 09810702119, 09899156495
E-mail- saraswati.ias@gmail.com, Visit us at: www.saraswatiias.com

सरस्वती सरस्वती

कृपया इस स्थान में कुछ न लिखें। Please do not write anything in this space.

कृपया इस स्थान में कुछ न लिखें। Please do not write anything in this space.

(ii) हॉब्स राज्य के द्वारा प्राप्त पूर्ण प्रभुसत्ता की रक्षा के लिए सकारात्मक कानून बनाने पर बल देता है। वहीं लॉक राज्य को एक पहरेदार के रूप में देखता है, जिसे रात में चैन से सोने के लिए पहरा देने के लिए रखा गया है, फिर भी स्वामी रात में उठकर यह देखता है कि कहीं पहरेदार सो तो नहीं गया।

(iii) हॉब्स जहाँ राज्य के ~~सत्ता~~ उत्तरदायित्व को सीमित करता है। वहीं लॉक राज्य के उत्तरदायित्व को सामाजिक अनुबंध में सबसे महत्वपूर्ण मानता है।

इस प्रकार हॉब्स व

सरस्वती सरस्वती

A- 20, 102, Indraprasth Tower, (Behind Batra Cinema), Dr. Mukherjee Nagar, Delhi-09
Ph:- 011-27651250, 09810702119, 09899156495
E-mail- saraswati.ias@gmail.com, Visit us at: www.saraswatiias.com

सरस्वती

कृपया इस स्थान में कुछ न लिखें। Please do not write anything in this space.

व लॉक राज्य की प्रकृति में अंतर करते हैं। परंतु फिर भी हमें इन दोनों विचारकों को अलग नहीं देखना चाहिए अपितु लॉक को हॉब्स के विचारों के तार्किक निर्गत के रूप में रूप देखना चाहिए, जिसका उद्देश्य राज्य के अनुबंध सिद्धांत को तार्किक रूप से पेश करना था।

सरस्वती

कृपया इस स्थान में कुछ न लिखें। Please do not write anything in this space.

सरस्वती

सरस्वती

SECTION-B

सरस्वती

कृपया इस स्थान में कुछ न लिखें। Please do not write anything in this space.

प्रश्न 1)

a)

प्लेटो का न्याय का सिद्धांत व्यक्तिगत एवं राज्य दोनों पर लागू होता है। व्यक्तिगत स्तर पर तृष्णा को साहस के साथ विवेक के मार्गदर्शन में बढ़ावा देना न्याय स्थापित करना है। वहीं राज्य के स्तर पर व्यापारियों (तृष्णा) को क्षत्रियों (साहस) द्वारा संरक्षण प्रदान कर विचारकों (विवेक) द्वारा मार्गदर्शित होना चाहिए।

प्लेटो का न्याय का सिद्धांत राज्य के माध्यम से सद्जीवन को स्थापित करने तथा सभी से अपनी योग्यता अनुसार व सभी को आवश्यकतानुसार के सिद्धांत का समर्थक है।

प्लेटो का न्याय सिद्धांत ~~प्रचलित~~ प्रचलित न्याय सिद्धांतों के आलोक में देखने पर —

सरस्वती

कृपया इस स्थान में कुछ न लिखें। Please do not write anything in this space.

सरस्वती

A- 20, 102, Indraprasth Tower, (Behind Batra Cinema), Dr. Mukherjee Nagar, Delhi-09
Ph:- 011-27651250, 09810702119, 09899156495
E-mail- saraswati.ias@gmail.com, Visit us at: www.saraswatiias.com

सरस्वती

कृपया इस स्थान में कुछ न लिखें। Please do not write anything in this space.

सरस्वती

कृपया इस स्थान में कुछ न लिखें। Please do not write anything in this space.

i) प्रक्रियागत न्याय –

प्रक्रियागत न्याय का सिद्धांत स्थापित प्रक्रिया के आधार पर न्याय का समर्थक है, इसे कानूनी न्याय कहा जा सकता है।

प्लेटो का न्याय सिद्धांत प्रक्रियागत न्याय से अधिक विस्तृत है। यह न्याय के लिए शिक्षा व्यवस्था का सिद्धांत देकर प्रक्रियागत गुणों के साथ लक्ष्य को भी स्पर्श करता हुआ प्रतीत होता है।

ii) तात्विक न्याय –

तात्विक न्याय संसाधनों के न्यायपूर्ण वितरण पर बल देता है, चाहे इसके लिए प्रक्रिया को संशोधित ही क्यूं न करना पड़े।

प्लेटो का न्याय सिद्धांत भी अंतिम रूप से सद्जीवन व आवश्यकतानुसार वितरण पर बल देता है परंतु यह इसके लिए प्रक्रिया से समझौता नहीं करता है।

सरस्वती

सरस्वती

A- 20, 102, Indraprasth Tower, (Behind Batra Cinema), Dr. Mukherjee Nagar, Delhi-09
Ph:- 011-27651250, 09810702119, 09899156495
E-mail- saraswati.ias@gmail.com, Visit us at: www.saraswatiias.com

सरस्वती
कृपया इस स्थान में कुछ न लिखें। Please do not write anything in this space.

(iii) जॉन रॉल्स का न्याय सिद्धांत —

जॉन रॉल्स का न्याय सिद्धांत प्रक्रियागत न्याय व तात्विक न्याय में संतुलन स्थापित कर व्यक्तिगत स्वतंत्रता व सामाजिक न्याय में संतुलन स्थापित करता है।

प्लेटो का न्याय सिद्धांत अधिक अनुशासनात्मक है, जहाँ स्वतंत्रता के लिए कम स्थान है। एक बार गुणों का विभाजन (विवेक, तृष्णा, साहस) हो जाने पर उनमें गतिशीलता न के बराबर है।

इस प्रकार प्लेटो का न्याय सिद्धांत प्रक्रिया व उद्देश्य में अधिक बँधा हुआ है। फिर भी प्लेटो के सिद्धांत को ऐतिहासिक ~~प्रा~~ परिदृश्य व परिस्थितियों के अनुसार देखना चाहिए, जिसने सर्वप्रथम न्याय स्थापना पर बल दिया एवं उसी आधार पर आगे बढ़े हुए वर्तमान में रॉल्स का परिष्कृत न्याय सिद्धांत प्रतिपादित हुआ है।

सरस्वती
A- 20, 102, Indraprasth Tower, (Behind Batra Cinema), Dr. Mukherjee Nagar, Delhi-09
Ph:- 011-27651250, 09810702119, 09899156495
E-mail- saraswati.ias@gmail.com, Visit us at: www.saraswatiias.com

सरस्वती सरस्वती

कृपया इस स्थान में कुछ न लिखें। Please do not write anything in this space.

कृपया इस स्थान में कुछ न लिखें। Please do not write anything in this space.

b)

हन्ना आरेंट ने वर्तमान में राजनीति व व्यक्तिगत ~~से मूल्यों व~~ जीवन में गठजोड़ से उत्पन्न परेशानियों को प्रस्तुत किया है। हन्ना आरेंट ने प्राचीन नगर-राज्य में राजनीति व व्यक्तिगत जीवन के स्पष्ट अंतर को सर्वोत्तम स्थिति माना है तथा उसी आधार पर विभाजन को स्पष्ट करने के लिए श्रम, कार्य व कार्यवाही को प्रस्तुत किया है।

i) श्रम — हन्ना आरेंट के अनुसार यह निम्न स्तर का कार्य है, जिसका संबंध मात्र शारीरिक गतिविधियों से है।

ii) कार्य — हन्ना आरेंट के अनुसार यह श्रम के सापेक्ष उन्नत अवस्था है, जिसका तात्पर्य व संबंध कलात्मक कार्यों से है।

सरस्वती सरस्वती

A- 20, 102, Indraprasth Tower, (Behind Batra Cinema), Dr. Mukherjee Nagar, Delhi-09
Ph:- 011-27651250, 09810702119, 09899156495
E-mail- saraswati.ias@gmail.com, Visit us at: www.saraswatiias.com

सरस्वती
कृपया इस स्थान में कुछ न लिखें। Please do not write anything in this space.

iii) कार्यवाई – कार्यवाई को उत्कृष्ट अवस्था कहा है, जिसका संबंध राजनीतिक गतिविधियों में भाग लेने से है।

हन्ना आरेंट के अनुसार, व्यक्ति को राजनीतिक क्रियाकलापों में बढ़ चढ़कर भाग लेना चाहिए। यह व्यक्ति की विवेकशीलता, तर्क-वितर्क क्षमता एवं समन्वय की योजना को स्पष्ट करता है। इसके कारण व्यक्ति को मानवीय मूल्य की सर्वोच्च अनुभूति होती है।

हालाँकि हन्ना आरेंट ने राजनीति के व्यक्तिगत जीवन में अतिक्रमण को गलत बताया है। हन्ना आरेंट राजनीति को व्यक्तिगत जीवन से अलग विषयवस्तु मानती है, जिसमें व्यक्ति ने स्वेच्छा से भाग

सरस्वती
A- 20, 102, Indraprasth Tower, (Behind Batra Cinema), Dr. Mukherjee Nagar, Delhi-09
Ph:- 011-27651250, 09810702119, 09899156495
E-mail- saraswati.ias@gmail.com, Visit us at: www.saraswatiias.com

सरस्वती

कृपया इस स्थान में कुछ न लिखें। Please do not write anything in this space.

लेना चाहिए न कि राजनीति ने बलपूर्वक व्यक्तिगत जीवन में अतिक्रमण करना चाहिए।

~~हन्ना~~ ~~हन्ना~~ आरेंट की यह अवधारणा प्लेटो व अरस्तू के राज्य ~~क~~ व राजनीति से अलग है। हालाँकि अरस्तू के "राजनीतिक प्राणी" से "कार्रवाई" अवस्था की तुलना की जा सकती है।

सरस्वती

कृपया इस स्थान में कुछ न लिखें। Please do not write anything in this space.

A- 20, 102, Indraprasth Tower, (Behind Batra Cinema), Dr. Mukherjee Nagar, Delhi-09
Ph:- 011-27651250, 09810702119, 09899156495
E-mail- saraswati.ias@gmail.com, Visit us at: www.saraswatiias.com

सरस्वती सरस्वती

कृपया इस स्थान में कुछ न लिखें। Please do not write anything in this space.

c) ग्रामशी के अनुसार वर्तमान में राज्य ने "पॉलिटिकल हेजेमनी" स्थापित करने के लिए लोगों को "सापेक्षिक स्वायत्तता" को बढ़ावा दिया है। इसके अंतर्गत राज्य व्यक्ति के विचारों को नागरिक समाज (घर, परिवार, शिक्षा आदि) के माध्यम से "ऑर्गनिक इंटेलैक्चुअल" प्रदान करना चाहते हैं।

सापेक्षिक स्वायत्तता के माध्यम से राज्य अपने विचारों को मान्य बनाना चाहते हैं, जिससे लोगों के व व्यक्ति के मध्य शोषणात्मक प्रवृत्ति के लिए मान्यता बढ़ जाए।

इसके माध्यम से राज्य "विचारों को कैद" व दिशा निर्देशित करना चाहते हैं।

सरस्वती सरस्वती

A- 20, 102, Indraprasth Tower, (Behind Batra Cinema), Dr. Mukherjee Nagar, Delhi-09
Ph:- 011-27651250, 09810702119, 09899156495
E-mail- saraswati.ias@gmail.com, Visit us at: www.saraswatiias.com

सरस्वती सरस्वती

कृपया इस स्थान में कुछ न लिखें। Please do not write anything in this space.

कृपया इस स्थान में कुछ न लिखें। Please do not write anything in this space.

इस कारण आर्थिक "आधार" पर असमानता होने पर भी क्रांति उत्पन्न नहीं होगी। क्रांति के लिए आवश्यक चेतना को बढ़ावा देने के लिए नागरिक समाज में वैचारिक स्तर पर चेतना को बढ़ावा देना होगा।

ग्रामशी ने "अधिरचना" के अंतर्गत नागरिक समाज में वैचारिक चेतना को वर्तमान में क्रांति के लिए सबसे महत्वपूर्ण माना है। इसके द्वारा राज्य प्रायोजित वैचारिक प्रभाव को कम कर शोषण को प्रदर्शित किया जा सकता है। इससे पूँजीवादी शोषण को वास्तव में क्रांति के

सरस्वती सरस्वती

A- 20, 102, Indraprasth Tower, (Behind Batra Cinema), Dr. Mukherjee Nagar, Delhi-09
Ph:- 011-27651250, 09810702119, 09899156495
E-mail- saraswati.ias@gmail.com, Visit us at: www.saraswatiias.com

सरस्वती सरस्वती

कृपया इस स्थान में कुछ न लिखें। Please do not write anything in this space.

द्वारा उखाड़ फेंककर एक नए साम्यवादी समाज की स्थापना की जा सकती है।

इस प्रकार ग्रामशी मार्क्सवाद को वर्तमान परिदृश्य ~~में~~ के आधार पर विस्तार प्रदान कर आधार व अधिरचना के संबंध को और अधिक स्पष्ट कर क्रांति की प्रेरणा देता है।

सरस्वती सरस्वती

कृपया इस स्थान में कुछ न लिखें। Please do not write anything in this space.

A- 20, 102, Indraprasth Tower, (Behind Batra Cinema), Dr. Mukherjee Nagar, Delhi-09
Ph:- 011-27651250, 09810702119, 09899156495
E-mail- saraswati.ias@gmail.com, Visit us at: www.saraswatiias.com

सरस्वती

कृपया इस स्थान में कुछ न लिखें। Please do not write anything in this space.

प्रश्न 6 a)

लॉक संपत्ति की उदारवादी व्याख्या करता है। यह "संपत्ति के अधिकार" को प्राकृतिक अधिकार मानता है एवं व्यक्ति को संपत्ति (श्रम के द्वारा संसाधनों पर स्वामित्व) के अर्जन के लिए प्रेरित करता है।

वहीं मार्क्स संपत्ति के अर्जन को अन्यायपूर्ण मानता है तथा संपत्ति के सामाजिक अधिकार को स्वीकृति देता है। मार्क्स के अनुसार संपत्ति का अधिकार ही असमानता व शोषण का मुख्य कारण है।

इसके अतिरिक्त लॉक संपत्ति के अधिकार पर नैतिक सीमा (संग्रहण आवश्यकतानुसार) लगाने का प्रयास करता है परंतु नष्ट न होने वाली संपत्ति के असीमित ~~संचय~~ संचय को बढ़ावा देता है। कालांतर में मुद्रा के प्रचलन ने पूंजीवाद

सरस्वती

A- 20, 102, Indraprasth Tower, (Behind Batra Cinema), Dr. Mukherjee Nagar, Delhi-09
Ph:- 011-27651250, 09810702119, 09899156495
E-mail- saraswati.ias@gmail.com, Visit us at: www.saraswatiias.com

कृपया इस स्थान में कुछ न लिखें। Please do not write anything in this space.

को बढ़ावा इसी आधार पर मिला है।

वहीं मार्क्स संपत्ति के अर्जन पर पूर्ण प्रतिबंध का हिमायती है एवं इसे समानता युक्त समाज की पहली सीढ़ी मानता है।

इस प्रकार दोनों ~~की~~ के सिद्धांतों में पूँजीवाद बनाम समाजवाद का द्वंद्व बना हुआ है।

सरस्वती

कृपया इस स्थान में कुछ न लिखें। Please do not write anything in this space.

सरस्वती

A- 20, 102, Indraprasth Tower, (Behind Batra Cinema), Dr. Mukherjee Nagar, Delhi-09
Ph:- 011-27651250, 09810702119, 09899156495
E-mail- saraswati.ias@gmail.com, Visit us at: www.saraswatiias.com

सरस्वती

कृपया इस स्थान में कुछ न लिखें। Please do not write anything in this space.

b) बुद्ध के राजनीतिक विचारों को राजा के कार्य, राज्य की उत्पत्ति एवं राज्य के उद्देश्य तथा धर्म की भूमिका के रूप में परिभाषित किए जा सकते हैं।

बुद्ध ने राजा के कार्य में ~~सर्वोच्च कार्य~~ सद्जीवन की स्थापना को सर्वोच्च कार्य माना है।

यह आदर्शवाद के प्रतिपादक है, जो प्रत्येक परिस्थिति में नैतिक आधार पर कार्य करने को बल देते हैं।

इसके अतिरिक्त यह राज्य की उत्पत्ति के लिए सामाजिक अनुबंध के सिद्धांत को स्वीकार करते हैं।

बुद्ध की परंपरा में चिंतन, तर्कवितर्क, समानता, व्यक्तिगत स्वतंत्रता व मध्यम मार्ग

सरस्वती

कृपया इस स्थान में कुछ न लिखें। Please do not write anything in this space.

सरस्वती

A- 20, 102, Indraprasth Tower, (Behind Batra Cinema), Dr. Mukherjee Nagar, Delhi-09
Ph:- 011-27651250, 09810702119, 09899156495
E-mail- saraswati.ias@gmail.com, Visit us at: www.saraswatiias.com

कृपया इस स्थान में कुछ न लिखें। Please do not write anything in this space.

जैसे सिद्धांत आज भी राज्य के सिद्धांतों के लिए प्रासंगिक बने हुए हैं।

इसी प्रकार धर्म के नैतिक रूप को ही राजनीति में स्थापित कर राजनीति को नैतिकता से जोड़ते हैं।

निष्कर्षतः बुद्ध की परंपरा में राजनीतिक विचारों का अंतिम उद्देश्य न्यायपूर्ण समाज व न्यायपूर्ण प्रक्रिया स्थापित करना है।

—

सरस्वती

कृपया इस स्थान में कुछ न लिखें। Please do not write anything in this space.

सरस्वती

सरस्वती
कृपया इस स्थान में कुछ न लिखें। Please do not write anything in this space.

d) प्लेटो ने "द लॉज़स" के अंतर्गत विधि के महत्व का प्रतिपादन किया है। प्लेटो के अनुसार,

i) आदर्श परिस्थिति में राजतंत्र सर्वोत्तम है, परंतु यह व्यावहारिक नहीं है तथा मनुष्य भी अपने परिस्थितियों से प्रभावित होता है।
अतः व्यावहारिक परिस्थिति में विधि के शासन का अत्यंत महत्व है। –

ii) प्लेटो के अनुसार, विधि सर्वमान्य होती है क्योंकि उसका आधार ही सभी द्वारा मान्य नियम होते हैं। इसके अतिरिक्त यह कार्यों में वस्तुनिष्ठता को बढ़ावा देती है।

सरस्वती
A- 20, 102, Indraprasth Tower, (Behind Batra Cinema), Dr. Mukherjee Nagar, Delhi-09
Ph:- 011-27651250, 09810702119, 09899156495
E-mail- saraswati.ias@gmail.com, Visit us at: www.saraswatiias.com

कृपया इस स्थान में कुछ न लिखें।
Please do not write anything in this space.

iii) विधि के द्वारा न्याय को सुनिश्चित करना सरल एवं तार्किक होता है।

यह राज्य के शोषण पर भी प्रतिबंध लगाती है। इस प्रकार प्लेटो व्यावहारिक रूप में विधि के शासन को महत्व प्रदान करता है। वर्तमान समय में डायसी द्वारा एवं सभी लोकतांत्रिक देशों में विधि के शासन को मान्यता प्रदान की गई है।

A- 20, 102, Indraprasth Tower, (Behind Batra Cinema), Dr. Mukherjee Nagar, Delhi-09
Ph:- 011-27651250, 09810702119, 09899156495
E-mail- saraswati.ias@gmail.com, Visit us at: www.saraswatiias.com

सरस्वती | सरस्वती

कृपया इस स्थान में कुछ न लिखें। Please do not write anything in this space.

(e) हॉब्स के अनुसार राज्य की प्रकृति —

i) हॉब्स प्राकृतिक रूप से मनुष्य को स्वार्थी मानते हुए राज्य के अस्तित्व के "सामाजिक अनुबंध" के सिद्धांत को मान्यता प्रदान करता है।

ii) हॉब्स राज्य को "पूर्ण प्रभुसत्ता" सौंपने के लिए कहता है, जिससे कि अनुबंध का पालन कड़ाई हो सके।

iii) यह राज्य को "सकारात्मक कानून" बनाने ~~पर~~ की शक्ति भी प्रदान करता है। इसके अंतर्गत विरोध की परिस्थिति में राज्य

A- 20, 102, Indraprasth Tower, (Behind Batra Cinema), Dr. Mukherjee Nagar, Delhi-09
Ph:- 011-27651250, 09810702119, 09899156495
E-mail- saraswati.ias@gmail.com, Visit us at: www.saraswatiias.com